भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा उत्पादन विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 325

11 दिसम्बर, 2019 को उत्तर के लिए

रक्षा उपस्कर का निर्यात

***325. डॉ. रमापति राम त्रिपाठी :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का अन्य देशों को हथियारों, युद्धपोतों तथा विमानों की आपूर्ति/निर्यात करने का विचार है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) उन देशों का ब्यौरा क्या है जिनसे विगत तीन वर्षों के दौरान प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं ; और

(घ) सरकार द्वारा इनके संबंध में क्या निर्णय लिया गया है / कार्रवाई की गई है ?

उत्तर

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

लोक सभा में दिनांक 11 दिसम्बर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए तारांकित प्रश्न संख्या 325 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): हमारी सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए रक्षा उत्पादन में आत्म-निर्भरता सामरिक तथा आर्थिक दोनों ही दृष्टि से अनिवार्य है । इसके अलावा, घरेलू रक्षा विनिर्माण परितंत्र का विस्तार करने तथा और उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए, मौजूदा निर्यात नियंत्रण विनियमों के अध्यधीन मित्र देशों (एफएफसी) को रक्षा प्लेटफार्मों और उपस्कर के निर्यात को प्रोत्साहन देने के प्रयास किए जा रहे हैं । रक्षा निर्यातों को बढ़ावा देने हेतु कई कदम उठाए गए हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ निर्यात प्राधिकार जारी करने के सिलसिले में लिए गए समय में कटौती शामिल है । एफएफसी को इन प्लेटफार्मों / उपस्कर का निर्यात / आपूर्ति वाणिज्यिक शर्तों के आधार पर अथवा लाइन ऑफ क्रेडिट इत्यादि के अनुपालन के आधार पर किया जाता है । इसमें शामिल सामरिक संवेदनशीलता को देखते हुए, ऐसे देशों की सूची का प्रकटीकरण करना वांछनीय नहीं है ।

*****